हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड

पाठ्यक्रम एवं अध्यायवार अंको का विभाजन(2024-25)

कक्षा- 12th **विषय: हिंदुस्तानी संगीत वादन** **कोड: 645**

सामान्य निर्देश:

1. संपूर्ण पाठ्यक्रम के आधार पर एक वार्षिक परीक्षा होगी।
2. वार्षिक परीक्षा 30 अंकों की होगी। प्रयोगात्मक (क्रियात्मक) परीक्षा 50 अंकों की होगी और आंतरिक मूल्यांकन 20 अंकों का होगा।
3. प्रायोगिक/क्रियात्मक परीक्षा 50 अंकों के लिए निम्न प्रकार से प्रश्न पूछे जायेंगे -
   i) 20 अंकों की प्रायोगिक/क्रियात्मक पुस्तिका।
   ii) किसी एक राग के शास्त्रीय परिचय के 05 अंकों की मौखिक परीक्षा।
   iii) किसी एक ताल का शास्त्रीय परिचय के 05 अंकों की मौखिक परीक्षा।
   iv) किसी एक राग और किसी एक ताल के एक विलबिंत गत और एक झाला सहित के क्रियात्मक ज्ञान के लिए 15 अंक।
   v) लोकगीत, वंदे मातरम (चयनित वाद्य पर) मौखिक ज्ञान तथा क्रियात्मक परीक्षा के लिए 05 अंक।
4. आंतरिक मूल्यांकन के लिए निम्नानुसार आवधिक मूल्यांकन होगा:
   i) 04 अंकों के लिए - दो SAT परीक्षा आयोजित की जायेगी जिनका अंतिम आंतरिक मूल्यांकन के लिए 04 अंकों का भारांक होगा।
   ii) 02 अंकों के लिए एक अर्ध-वार्षिक परीक्षा आयोजित की जायेगी जिसका अंतिम आंतरिक मूल्यांकन के लिए 02 अंकों का भारांक होगा।
   iii) दो अकों के लिए प्री-बोर्ड परीक्षा आयोजित की जाएगी जिसका अंतिम आंतरिक मूल्यांकन के लिए 02 अकों का भारांक होगा।
   iv) 02 अंकों के लिए विषय शिक्षक CRP (कक्षा कक्ष की भागीदारी) के लिए मूल्यांकन करेंगे और अधिकतम 02 अंक देंगे।

v) 05 अंकों के लिए छात्रों द्वारा एक परियोजना कार्य किया जायेगा जिसका अंतिम आंतरिक मूल्यांकन के लिए 05 अंकों का भारांक होगा।

vi) 05 अंकों के लिए विद्यार्थी की उपस्थिति के निम्नानुसार 05 अंक प्रदान किए जायेंगे।

75% से 80% तक - 01 अंक

80% से अधिक से 85% तक - 02 अंक

85% से अधिक से 90% तक - 03 अंक

90% से अधिक से 95% तक - 04 अंक

95% से अधिक से 100% तक - 05 अंक

पाठ्यक्रम संरचना (2024-25)

कक्षा- 12th **विषय: हिंदुस्तानी संगीत वादन** **कोड: 645**

क्रम संख्या	अध्याय	अंक
1	संगीत संबंधी परिभाषाएं	06
2	गायन शैलियां / वादन शैलियां	03
3	थाट,राग,वादकों के गुण, अवगुण तथा संगीतकार	03
4	रागों का समय सिद्धांत	03
5	तालों का अध्ययन	03
6	रागों का अध्ययन	12
7	संगीतज्ञों के जीवन परिचय	
8	संगीत का इतिहास व भविष्य में संभावनाएं	
कुल		30
प्रायोगिक परीक्षा		50
आंतरिक मूल्यांकन		20
कुल योग		**100**

अध्याय 1: संगीत संबंधी परिभाषाएं

1.वर्ण

- वर्ण की परिभाषा
- वर्ण के प्रकार व उनकाअध्ययन
- वर्णों की पहचान
- वर्णोंके द्वारा अलंकारों का निर्माण
- वर्णों का संगीत में महत्व

2.ग्राम

- ग्राम का शाब्दिक अर्थ तथा परिभाषा
- ग्राम के प्रकार
- ग्राम का महत्व

3.मूर्च्छना

- मूर्च्छनाका शाब्दिक अर्थ तथा परिभाषा
- मूर्च्छना के प्रकार
- ग्राम के द्वारा मूर्च्छनाकी उत्पत्ति तथा उनके नाम

4.गमक

- गमक, गमक की परिभाषा व प्रकार

5.मींड, मुर्की, कण,तथा खटका की परिभाषा

6.आलाप

7.तान, तान की परिभाषा तथा प्रकार

8.सम,ताली,खाली,आवर्तन,विभाग

9.स्वर लिपि की परिभाषा

- स्वरलिपि पद्धतियां, उनके अविष्कारक तथा भारतीय संगीत में स्वर लिपि का महत्व

अध्याय 2:गायन शैलियां

- ध्रुपद गायन शैली
  - ध्रुपद का शाब्दिक अर्थ परिभाषा उद्भव व्याख्या
  - ध्रुपद की वाणियां तथा उनके संस्थापक
  - झाला
  - झाला का शाब्दिक अर्थ परिभाषा व्याख्या व विशेषताएं
  - लक्षण गीत की परिभाषा, भाग, विशेषताएं

अध्याय 3: थाट,राग, वादक व संगीतकार

- थाटकीपरिभाषा,प्रकार, उनके नाम, 10 थाटो के स्वर, थाट के नियम
- राग की परिभाषा व नियम
- राग और थाट में अंतर
- वादकों के गुणों तथा अवगुणों का वर्णन
- संगीतकार की परिभाषा तथा विशेषताएं

अध्याय 4: रागों का समय सिद्धांत

- पूर्व राग व उत्तर राग नियम
- संधी प्रकाश राग तथा उसके बाद गाए जाने वाले रागों का नियम
- अध्वदर्शक स्वर का नियम
- समय सिंद्धात की सार्थकता

अध्याय 5:तालों का अध्ययन

- ताल झपताल
- तालचौताल
- ताल धमार
- ताल एक ताल
    - उपरोक्त सभी तालों के शास्त्रीय परिचय
    - तालोंकी 1 गुण तथा 2 गुण
    - ताल को हाथ पर बजाने की क्षमता का विकास
    - दिए गए बोल समूह में से ताल पहचानना।

अध्याय6: रागों का अध्ययन

- राग देश,
- राग बिहाग,
- रागभूपाली
    - उपरोक्त प्रत्येक राग का संपूर्ण शास्त्रीय परिचय
    - उपरोक्त रागोंमें अलंकारों का निर्माण तथा उनका नियमित अभ्यास
    - उपरोक्त रागों के आरोह अवरोह पकड़ दो अलाप तथा दो तोड़े
    - उपरोक्त रागों की द्रुत गततथा स्वर लिपियां
    - अपने पाठ्यक्रम के रागों में से दिए गए स्वर समूहों में से राग पहचानने की क्षमता
    - किसी एक राग में मसीतखानी गत व एक झाला

अध्याय 7: संगीतज्ञों के जीवन परिचय

- विलायत खां का जीवन परिचय
- देबू चौधरी ठाकुर का जीवन परिचय
- विश्व मोहन भट्ट का जीवन परिचय
- भारतीय संगीत क्षेत्र में स्वर कोकिला लता मंगेशकर जी का योगदान

अध्याय 8: संगीत का इतिहास व भविष्य में संभावनाएं

- मध्य काल से आधुनिक काल तक संगीत का इतिहास, संगीत परिजात के सदंर्भ में
- भविष्य में संगीत के क्षेत्र में संभावनाएं
- मध्यकाल भारतीय संगीत का स्वर्णयुग

प्रैक्टिकल

1. पाठ्यक्रम के सभी रागों का शास्त्रीय परिचय का ज्ञान
2. उनका नियमित अभ्यास, आरोह अवरोह पकड़ आलाप तथा तोड़े सहित
3. प्रत्येक रात में कम से कम एक द्रुत गत
4. पाठ्यक्रम के किसी एक रागमें विलंबित गत और झाला
5. धीमी गति में राग मे आलाप बजाने पर उस राग की पहचान करने में सक्षम हो।
6. ताल झप ताल, चार ताल, एक ताल व धमार की दुगुन लयकारी तक विद्यार्थी हाथ पर बजाने में सक्षम हो।
7. वंदे मातरम (अपने वाद्य पर)

मासिक पाठ्यक्रम शिक्षण योजना (2024-25)

कक्षा- 12th विषय: हिंदुस्तानी संगीत वादन कोड: 645

मास	विषय -वस्तु	शिक्षण कालांश	दोहराई कालांश	प्रयोगात्मक कार्य
अप्रैल	वर्ण, ग्राम, मूर्छना, गमक,मींड, मुर्की, कण तथा खटका की परिभाषाएं	12	08	04
मई	आलाप, तान,सम, ताली,खाली,आवर्तन,विभाग, स्वरलिपि पद्धति, वंदे मातरम (अपने वाद्य पर)	12	08	04
जून	ग्रीष्म कालीन अवकाश (गतिविधि आवंटित की जाए)			
जुलाई	ध्रुपद,तराना, लक्षण गीत, राग देश, चार ताल (प्रयोगात्मक ज्ञान सहित)	10	05	09
अगस्त	थाट,राग,वादक, संगीतकार की विवेचना, रागों का समय सिद्धांत	12	06	06
सितंबर	दोहराई अर्ध वार्षिक परीक्षा		12	

अक्तूबर	झप ताल, धमार तथा एक ताल (1 गुण तथा 2 गुण सहित) विद्यार्थी ताल को हाथ पर बजाने में सक्षम हो। बिहाग तथा भूपाली का शास्त्रीय परिचय आरोह, अवरोह, पकड़ सहित	08	04	12
नवंबर	दिए गए स्वर समूह में से राग पहचानना प्रत्येक राग की द्रुत गत,स्वरलिपि तथा आलाप व तोड़े उपरोक्त किसी भी एक राग में विलंबित गत तथा झाला (प्रायोगिक ज्ञान के साथ)	08	04	12
दिसंबर	विलायत खां का जीवन परिचय, देबू चौधरी का जीवन परिचय, विश्व मोहन भट्ट का जीवन परिचय तथा भारतीय संगीत में लता मंगेशकर जी का योगदान एक लोकगीत (प्रयोगात्मक ज्ञान के साथ)	12	06	06
जनवरी	मध्य काल से आधुनिक काल तक का संगीत का इतिहास संगीत परिजात के सदंर्भ में	06	02	06

	भविष्य में संगीत के क्षेत्र में संभावनाएं मध्यकाल भारतीय संगीत का स्वर्णयुग			
फ़रवरी	**दोहराई**			
मार्च	**वार्षिक परीक्षा**			

नोट:

- **विषय शिक्षकों को सलाह दी जाती है कि वे छात्रों को शब्दावली या अवधारणा की स्पष्टता को बढ़ाने के लिए अध्यायों में उपयोग की जाने वाली शब्दावली / परिभाषात्मक शब्दों की नोटबुक तैयार करने के लिए निर्देशित करें।**

प्रश्न पत्र प्रारूप(2024-25)

कक्षा- 12th **विषय: हिंदुस्तानी संगीत वादन** **कोड: 645**

समय: 2½ घंटे

प्रश्न का प्रकार	अंक	संख्या	विवरण	कुल अंक
वस्तुनिष्ठ प्रश्न	**01**	**08**	02 बहु-विकल्पीय प्रश्न। 02 रिक्त स्थान भरो प्रश्न। 02 अभिकथन-कारण प्रश्न। 02 एक शब्दीय प्रश्न।	08
अति लघुउत्तरात्मक प्रश्न	**02**	**04**	प्रत्येक प्रश्न में आंतरिक विकल्प दिया जायेगा।	08
लघुउत्तरात्मक प्रश्न	**03**	**03**	प्रत्येक प्रश्न में आंतरिक विकल्प दिया जायेगा।	09
दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न	**05**	**01**	प्रश्न में आंतरिक विकल्प दिया जायेगा।	05
	कुल	**16**		**30**

BOARD OF SCHOOL EDUCATION HARYANA

Syllabus and Chapter wise division of Marks (2024-25)

Class- 12th **Subject: Hindustani Music Instrumental (Melodic)**
Code:645

General Instructions:

1. There will be an annual examination based on the entire syllabus.
2. The annual examination will be of 30 marks. The practical (practical) test will be of 50 marks and the internal assessment will be of 20 marks.
3. Practical (Practical) Examination for 50 marks, questions will be asked in the following manner.

i) Practical Booklet of 20 marks.
ii) 05 marks for viva about classical knowledge of any one raga.
iii) 05 marks for viva about classical knowledge of any one taal.
iv) 15 marks for working knowledge of any one raga and any one taal. (with one Masitkhani gat and one jhhala)
v) 5 marks for oral and practical test of folk songs, Vande Mataram (on self instrument)

4. There will be multiple assessment for internal assessment as follows.

- Two SAT exams will be conducted, which will have a weightage of 4 marks for the final internal assessment.
- A half yearly exam will be conducted which will have a weightage of 2 marks for final internal assessment.
- A pre board exam will be conducted which will have a weightage of 2 marks for final internal assessment.
- Subject teacher will evaluate for CRP (Classroom Participation) and will give maximum 2 marks.
- A project work will be done by the students which will have a weightage of 5 marks for final internal assessment.
- 5 marks will be awarded as per the attendance of the student as following:

Above 75% to 80% = 1 marks

Above 80% to 85% = 2 marks

Above 85% to 90% = 3 marks

Above 90% to 95% = 4 marks

Above 95% = 5 marks

Course Structure (2024-25)

Class- 12th **Subject: Hindustani Music Instrumental (Melodic)**

Code:645

Sr. No.	Chapter	Marks
1	Musical definition	06
2	Singing styles / Playing style	03
3	Thaat, Raag, Instrument player and Musician	03
4	Time theory of ragas	03
5	Study of Taalas	03
6	Study of Raagas	12
7	Biographies of musicians	
8	History of music and future prospects	
Total		30
Practical Examination		50
Internal Assessment		20
Grand Total		**100**

Chapter 1: Musical Definitions

1. Varna

- Definition of Varna
- Types of Varna and their study
- Character recognition
- Creation of Alankars by Varna
- Importance of letters in music

2. Graam

- Literal meaning and definition of Graam
- Types of Graam
- Importance of Graam

3. Murchhna

- Literal meaning and definition of Murchhna
- Types of Murchhna
- Origin of Murchchana by Graam and their names

4. Gamak

- Gamak, definition and types of Gamak

5. Definition of Meend, Murki, Kan, and Khatka

6. Aalaap

7. Taan, definition and types of Taan

8. Sam, Taali, Khaali , rotation (Aavartan) , Vibhag

9. Definition of Notation

- Swarlipis, their invention and importance of Swarlipis in Indian music

Chapter 2: Singing Styles

- Dhrupad Singing Style
- Literal Meaning of Dhrupad Definition Origin Explanation
- Dhrupad's Vaniyas and their founders
- Jhhala
- Literal meaning, definition, explanation and features of Jhhala.
- Definition, parts, characteristics of the Lakshan geet.

Chapter 3: Thaat, Raga, Instrumentalist and musician.

- That's definition, types, their names, notes, rules of 10 Thaat
- Definition and rules of raga
- Difference between raga and thaat
- Description of the merits and demerits of Instrumentalist
- Definition and characteristics of musician.

Chapter 4: Timing Theory of Ragas

- Purva raga and Uttar raga rules
- Sandhi Prakash raga and the rules of ragas to be sung after it
- Rule of Adhavdharshak Swara

Chapter 5: Study of Taal

- Taal Jhaptal
- Talchautal
- Taal Dhamar
- Tala Ek Tala

Classical introduction to all the above taals

- Taalas One gun and two gun.
- Development of the ability to play the rhythm on the hands
- Recognisation of Taal from the given passage of Boles

Chapter 6: Study of Ragas

- Raag Desh,
- Raag Bihag,
- Raga bhupali
- Complete classical introduction of each of the above ragas
- Creation of Alankar in the above ragas and their regular practice
- Two alaps and two Todas of the above mentioned ragas.
- Drut Gaata and Swar Scripts of the above ragas
- Ability to identify ragas from given swara clusters from ragas in your syllabus
- At list one vilambhit gat and one Jhhala in any of the prescribed

Chapter 7: Biographies of Musicians

- Biography of Vilayat Khan
- Biography of Debu Chowdhary Thakur
- Biography of Vishwa Mohan Bhatt
- Contribution of late Nightingale Lata Mangeshkar in the field of Indian music.

Chapter 8: History of Music and Future Prospects

- History of Music from the Middle Ages to the Modern Period (with brief study of Sangeet Parijaat)
- Future prospects in the field of music
- Golden period of Music as medieval period.

Practical

1. Knowledge of classical introduction of all ragas of the syllabus
2. Their regular practice, including aaroh avroh pakad alap and todas
3. At list one rajakhani gat in each raaga.
4. Masitkhani Gat and Jhala in any one raga of the syllabus
5. On playing the raga in slow tempo, the student should recognised the particular raga

Monthwise Syllabus Teaching Plan (2024-25)

Class- 12th Subject: Hindustani Music Instrumental (Melodic)

Code:645

Month	Subject- content	Teaching Periods	Revision Periods	Practical Work
April	Definitions of Varna, Gram, Murchna, Gamak, Meend, Murki, Kan and Khatka	12	08	04
May	Aalap, Taan, Sam, Tali, Khali, Aavartan, Vibhag, Swarlipi method, Vande Mataram (on your instrument)	12	08	04
June	Summer Vacation (Project Work)			
July	dhrupad, Jhhala, Lakhshan geet, raag desh and Chaar Taal (with practical knowledge)	10	05	09
August	Discussion of Thaat, Raag, Instrumentalist, Musician, Timing Theory of Raags	12	06	06
September	Revision Half Yearly Examination		12	
October	Jhap Taal, Dhamar and Ek Taal (with 1 Guna and 2 Guna) The student should be able to play the taal on hand.	08	04	12

	Classical introduction to Bihag and Bhupali including Aaroh, Avaroh, Pakad			
November	Identifying a Raag from a given set of notes Drut gat in each raag, swarlipi and alapa, todas of each raga Vilambit Gata and Jhhala in any one of the above ragas (with practical knowledge)	08	04	12
December	Biography of Vilayat Khan, biography of Debu Chaudhary, biography of Vishwa Mohan Bhatt and contribution of Lata Mangeshkar in Indian music A folk song (with practical knowledge)	12	06	06
January	History of Music from the Middle Ages to the Modern Period (with brief study of Sangeet Parijaat) future prospects in music Golden period of Music as medieval period.	06	02	06
February	Revision			
March	Annual Examination			

<u>Note:</u> Subject teachers are advised to direct the students to prepare notebook of the Terminology/Definitional Words used in the chapters for enhancement of vocabulary or clarity of the concept.

Question Paper Design(2024-25)

Class- 12th **Subject: Hindustani Music Instrumental (Melodic)**

Code:645 **Time: 2½ Hours**

Type of Question	Marks	Number	Description	Total Marks
Objective type questions	**01**	**8**	02 Multiple choice questions. 02 Fill in the blanks Questions. 02 Assertion Reason Questions 02 One-word questions	**08**
Very short answer type questions	**02**	**04**	Internal choice will be given in all questions.	**08**
Short answer questions	**03**	**03**	Internal choice will be given in all questions.	**09**
Long answerable Question	**05**	**01**	Question will be given with internal choice	**05**
	Total	**16**		**30**